वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 268 गुरुवार 19 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण योजनाओं का बना प्रमुख अंग

राज्य बजट 2026-27 में डिजिटल शासन पारदर्शी प्रशासन के महत्वपूर्ण प्रावधान

नेक्स्ट जनरेशन सिटीजन सर्विस रिफॉर्म्स होंगे लागू

आर्थिक समीक्षा 2025-26 में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी को किया रेखांकित -राजस्थान सम्पर्क से 98 प्रतिशत से अधिक परिवाद हुए निस्तारित

जयपुर. कासं

अंत्योदय की मूल भावना के अनुरूप राज्य सरकार नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण को अपनी नीतियों एवं योजनाओं का प्रमुख अंग बना रही है। सरकार का उद्देश्य नागरिकों के परिवादों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करते हुए उन्हें सुगम एवं सुलभ सेवाएं प्रदान करना है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट में डिजिटल शासन और पारदर्शी प्रशासन के महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जो जनसेवा के उच्चतम मापदंड स्थापित करने में कारगर होंगे। बजट 2026-27 में प्रदेशवासियों को त्वरित एवं प्रभावी सुविधाएं सुनिश्चित करने के क्रम में नेक्स्ट जनरेशन सिटीजन सर्विस रिफॉर्म्स की घोषणा की गई है। इसके अंतर्गत वन्स ओनली प्रिंसिपल को लागू किया जा रहा है। इसमें नागरिकों एवं उद्यमियों से सिर्फ एक बार ही दस्तावेज लिया जाएगा, जिसे विभाग आपस में साझा करेंगे। इसी प्रकार, लोक कल्याणकारी योजनाओं की पात्रता निर्धारण को बेहतर बनाने के लिए जनाधार डेटाबेस को विभिन्न विभागों के मापदंडों और पोर्टल्स से जोड़ने का प्रावधान भी किया गया है। इससे पात्र नागरिकों को सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकेगी।

सीएम-प्रमाण से होगा प्रभावी नीतियों का निर्माण

राज्य सरकार ने डिजिटल राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवीन आईटी पॉलिसी की महत्वपूर्ण घोषणा की है। वहीं, स्टेट डेटा सेंटर की विभिन्न सेवाएं स्टार्टअप्स, एमएसएमई और नागरिकों को किफायती दर पर उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटेशन पॉलिसी और आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन, कृषि एवं पर्यावरण निगरानी में निर्णय क्षमता संवर्धन के लिए जिओ स्पेसियल पॉलिसी की घोषणा भी की गई है। परिणामोन्मुखी जनकल्याणकारी योजनाओं और साक्ष्य आधारित नीति निर्माण के लिए सीएम-प्रमाण (पॉलिसी, रिसर्च एंड एनालिटिक्स फोर मेजरेबल एक्शन एण्ड नेक्सस) यूनिट स्थापित की जाएगी। वहीं, नीति आयोग की तर्ज पर गठित राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉरमेशन एण्ड इनोवेशन (रीती) के 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राजकिसान साथी पोर्टल के जरिए किसानों को 3 हजार 566 करोड़ रुपये की डीबीटी

वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा ने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी को रेखांकित किया गया है। इसके अनुसार राजस्थान सम्पर्क 181 के माध्यम से वर्ष 2025 में कुल 34.43 लाख पंजीकृत परिवादों में से 33.88 लाख परिवादों (98 प्रतिशत से अधिक) का निस्तारण हुआ है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस फ्रेमवर्क को उन्नत करते हुए राजस्थान सम्पर्क 2.0 भी शुरू किया है। वहीं, डिजिटल सेवाओं के माध्यम से किसानों के सामाजिक और आर्थिक जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है। राजकिसान साथी पोर्टल के जरिए दिसम्बर, 2025 तक किसानों को कुल 3 हजार 566 करोड़ रुपये की डीबीटी का हस्तांतरण किया जा चुका है। 1.53 करोड़ से अधिक सीड मिनीकिट्स एवं 1.35 लाख से अधिक बीजों, उर्वरकों एवं कीटनाशकों के गुणवत्ता नियंत्रण नमूने की सुविधा भी मिल चुकी है।

राजकीय कार्यालयों में विकास कार्यों के लिए 3 हजार करोड़ का प्रावधान

नागरिकों के लिए सेवाओं और सुविधाओं का विस्तार करने के लिए में राजकीय कार्यालयों का निरंतर निर्माण और उन्नयन हो रहा है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने नवगठित 8 जिलों में मिनी सचिवालय और अन्य प्रमुख कार्यालयों से संबंधित भवन निर्माण, 94 नवीन पंचायत समितियों तथा 3 हजार 467 ग्राम पंचायतों में आधारभूत संरचना सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए 3 हजार करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान भी किया है। वहीं, सुशासन और जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने के क्रम में राजस्थान जन विश्वास अधिनियम 2.0 की बजट में घोषणा की गई है।

वाट्सएप के जरिए मिलेगी 100 सेवाएं

राज्य सरकार ने बजट में प्रमुख सेवाओं को वाट्सएप प्लेटफॉर्म के माध्यम से शुरू करने की बड़ी घोषणा भी की है। इसमें आमजन को 100 प्रमुख सेवाएं मिल सकेगी। इसी प्रकार, 25 हजार युवाओं एवं महिलाओं को मिनी ई-मित्र के रूप में अधिकृत किया जाएगा, जो मोबाइल आधारित सेवाएं प्रदान करेंगे। वहीं, समस्त नगरीय निकायों में चरणबद्ध रूप से स्मार्ट सेवा केन्द्र स्थापित कर आमजन को जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र, फायर एनओसी एवं अन्य अनुज्ञा पत्र संबंधी सेवाएं ऑनलाइन करने का प्रावधान भी किया गया है।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन का क्रिकेट महाकुंभ 'आरसीपीएल-4' संपन्न

जयपुर के महावीर स्कूल में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, बी एंड टी चैलेंजर्स और सिटीजन स्ट्राइकर्स बने विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा आयोजित क्रिकेट महाकुंभ 'आरसीपीएल-4' का रविवार को महावीर स्कूल के खेल मैदान में भव्य समापन हुआ। क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस खेल महोत्सव में कुल 12 टीमों के लगभग 150 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें पुरुषों की 8 और महिलाओं की 4 टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

रोमांचक रहे अंतिम मुकाबले

प्रतियोगिता के अध्यक्ष प्रमोद जैन और सह-अध्यक्ष दिनेश बज ने बताया कि सभी टीमों ने पहले तीन-तीन लीग मैच खेले, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए।

पुरुष वर्ग: अंतिम मुकाबला 'बी एंड टी चैलेंजर्स' और 'नीरकॉन नाइट राइडर्स' के बीच हुआ, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए रोटरी बी एंड टी चैलेंजर्स ने खिताबी जीत दर्ज की। **महिला वर्ग:** खिताबी भिड़ंत 'सिटीजन स्ट्राइकर्स' और 'ओम कृष्णम फाइटर्स' के बीच हुई, जिसमें सिटीजन स्ट्राइकर्स विजयी रही।

विजेताओं का सम्मान

मुख्य समन्वयक कमल बडजात्या और संदीप जैन ने बताया कि विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सचिव आशीष बैद और कोषाध्यक्ष अजय जैन ने जानकारी दी कि टूर्नामेंट में न केवल सर्वश्रेष्ठ टीम, बल्कि व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए भी पुरस्कार दिए गए। इनमें 'मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी', 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण', 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज', 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज', 'द्रुत अर्धशतक' और 'विकेट की तिकड़ी' (हैट्रिक) जैसे विशेष पुरस्कार शामिल रहे।

अतिथियों ने सराहा सामाजिक प्रयास

क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि खेल सचिव नीरज के. पवन और पूर्व प्रांतपाल मेहतरा ने किया। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। समापन समारोह में रोटरी जिला प्रांतपाल नियुक्त बी.आर. बगड़िया और सचिव संजय कौशिक ने विजेताओं को ट्राफियां प्रदान कीं। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक ए.आर.एल. इंफ्राटेक और सह-प्रायोजक ट्रिप फैक्ट्री रहे।

जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल के सफल एक वर्ष पूर्ण होने पर भव्य अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल के सफल एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उनके सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जयपुर जिला कार्यालय, मालवीय नगर में किया गया। समारोह में अमित गोयल का पुष्पमालाओं एवं स्वागत शब्दों के साथ अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड, भारत सरकार के सदस्य सुभाष गोयल, महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र बज, महामंत्री सुरेश सैनी सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और व्यापारियों ने अमित गोयल को सफल एक वर्षीय कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए उनके नेतृत्व, प्रतिबद्धता और सतत प्रयासों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में बीते एक वर्ष के दौरान व्यापारिक समुदाय को कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुए और संगठन की सक्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अंत में जयपुर व्यापार महासंघ की ओर से अमित गोयल के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। साथ ही विश्वास जताया गया कि उनके नेतृत्व में व्यापारिक हितों की मजबूती और संगठन का विस्तार निरंतर जारी रहेगा।

धर्म का मुखौटा और भीतर का पाखंड

पहन मुखौटा धर्म का, करते दिन भर पाप!
भंडारे करते फिरें, घर में भूखा बाप!!

आज समाज में एक विचित्र प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। लोग धर्म का चोला पहनकर घूमते हैं—माथे पर तिलक, हाथ में माला और वाणी में मीठे शब्द—लेकिन आचरण में करुणा, दया और सत्य का अभाव। बाहर दिखावे के लिए बड़े-बड़े भंडारे, आयोजन, मंच, फोटो और प्रचार; परंतु घर के भीतर अपने ही माता-पिता उपेक्षित, असहाय और भूखे रह जाएँ तो यह कैसी धार्मिकता है? धर्म का सार दिखावा नहीं, बल्कि कर्तव्य है। जो व्यक्ति अपने ही पिता की सेवा नहीं कर सकता, वह समाज सेवा का ढोल पीटकर स्वयं को धर्मात्मा कैसे सिद्ध कर सकता है? शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि प्रथम पूज्य माता-पिता हैं। उनकी सेवा से बढ़कर कोई यज्ञ, कोई दान, कोई तीर्थ नहीं लेकिन आज कुछ लोग समाज में प्रतिष्ठा पाने के लिए धर्म का उपयोग साधन की तरह कर रहे हैं। वे भंडारे इसलिए नहीं करते कि किसी की भूख मिटे, बल्कि इसलिए करते हैं कि उनका नाम छपे, फोटो आए और प्रशंसा हो। यह धर्म नहीं, अहंकार का पोषण है। सच्चा धर्म भीतर से शुरू होता है—घर से, परिवार से, अपने कर्तव्यों से। यदि घर का वृद्ध पिता उपेक्षित है, माँ की आँखों में आँसू हैं और बेटा मंच पर दानवीर बन रहा है, तो यह सबसे बड़ा पाखंड है। धर्म का अर्थ है दया, सेवा, संयम और सत्य। जो धर्म हमें अपने कर्तव्यों से दूर ले जाए, वह धर्म नहीं, केवल आडंबर है। समाज को जागना होगा। दिखावे की चमक से बाहर निकलकर मूल प्रश्न पूछना होगा—क्या हमारा आचरण हमारे शब्दों से मेल खाता है? क्या हम पहले अपने घर के प्रति ईमानदार हैं? यदि नहीं, तो फिर किसी भी धार्मिक आयोजन का कोई वास्तविक अर्थ नहीं। पहले घर के भूखे पिता का पेट भरे, पहले माँ के चरणों में सेवा अर्पित हो, उसके बाद ही समाज सेवा की बात शोभा देती है। वरना धर्म का मुखौटा पहनकर पाप करना अंततः आत्मा को ही खोखला कर देता है। सच्ची श्रद्धा वही है, जो भीतर विनम्रता और बाहर सेवा में प्रकट हो—न कि केवल मंच और माइक पर।

नितिन जैन

पद्मावती पब्लिक स्कूल में 'गुलाबी और श्वेत रंग दिवस' की धूम

नन्हे-मुन्नों ने सीखा प्रेम और शांति का पाठ; रंगों के माध्यम से संस्कारों का बीजारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मानसरोवर स्थित पद्मावती पब्लिक स्कूल में बुधवार को 'गुलाबी और श्वेत रंग दिवस' (पिंक एंड व्हाइट कलर डे) अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय का परिसर रंगों की छटा से सराबोर नजर आया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ-साथ अध्यापकों ने भी गुलाबी और श्वेत परिधान धारण कर कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रंगों के माध्यम से जीवन मूल्यों की सीख

प्रधानाचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बच्चों को इन रंगों के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि 'गुलाबी' रंग प्रेम, स्नेह और अटूट मित्रता का प्रतीक है, वहीं 'श्वेत' रंग शांति, पवित्रता और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे जीवन में हमेशा मिल-जुलकर रहें, एक-दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखें और आपसी विवादों से दूर रहकर शांति का मार्ग अपनाएं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य बच्चों में रंगों की पहचान विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता और अवलोकन क्षमता को बढ़ाना है। खेल-खेल में मनाए जाने वाले इन दिवसों से बच्चों में सामाजिक और भावनात्मक मूल्यों जैसे—सहयोग, प्रेम और शांति का विकास होता है, जिससे उनका आत्मविश्वास और सहभागिता की भावना सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम के अंत में एक सुंदर संदेश दिया गया:

''रंगों से सीखें जीवन के सुंदर संस्कार, गुलाबी से प्रेम और श्वेत से शांति का उपहार।''

कटरा वजीर खां जैन मंदिर में उमड़ा भक्ति का सैलाब: तीर्थंकर माता-पिता की गोदभराई एवं सम्मान समारोह संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

ताजनगरी के कटरा वजीर खां स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में बुधवार को एक भव्य एवं आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया। ध्यान गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के उल्लास की झलक देखने को मिली।

भगवान आदिनाथ के माता-पिता का सौभाग्य

कटरा वजीर खां मंदिर समिति के तत्वावधान में आगामी अप्रैल माह में 'श्री सवोतोभद्र जिनालय' का भव्य पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत श्री पारसमल जैन एवं श्रीमती स्नेहलता जैन को प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के माता-पिता बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसी पावन उपलक्ष्य में उनकी 'छठवीं गोदभराई' एवं सम्मान समारोह का आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

पारंपरिक रीति-रिवाजों से महका परिसर

कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र मंगलाचरण के साथ हुआ। पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन करते हुए उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने मेवा, फल, अक्षत एवं सूखे मेवों से तीर्थंकर माता की गोदभराई की। इसके पश्चात तीर्थंकर पिता का तिलक लगाकर, माला एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य अभिनंदन किया गया। समारोह के दौरान जैन समाज की महिलाओं ने मंगल गीत गाए और भक्ति नृत्य प्रस्तुत कर पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

समाज की गरिमामयी उपस्थिति

समारोह का कुशल संचालन मंदिर मंत्री सुबोध जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर कटरा वजीर खां जैन समाज के गणमान्य सदस्य, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उपाध्याय श्री के सानिध्य में समाजजनों ने पंचकल्याणक महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प दोहराया।

वेद ज्ञान

मोहन सरकार का सशक्त विजन

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहां विकास केवल घोषणा न होकर धरातल पर उतरती वास्तविकता बन चुका है। राज्य की आर्थिक गति, औद्योगिक विस्तार और कृषि समृद्धि ने इसे देश के तेजी से उभरते राज्यों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इस परिवर्तन के केंद्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं, जिनके नेतृत्व में प्रदेश आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से बढ़ रहा है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य ने एक व्यापक दृष्टिपत्र तैयार किया है, जिसमें आगामी वर्षों में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में लगभग 1.55 लाख रुपये है, जिसे दूरगामी लक्ष्यों के साथ 22.50 लाख रुपये तक ले जाने का संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य सरकार ने 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इनका उद्देश्य बड़े शहरों के साथ-साथ दूरस्थ क्षेत्रों तक उद्योगों का जाल बिछाना है। संभागीय स्तर पर आयोजित 'प्रादेशिक उद्योग सम्मेलन' (रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव) के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। वैश्विक निवेशक सम्मेलन में प्राप्त 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट मानना है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। छोटे और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देकर ही व्यापक रोजगार सृजित किया जा सकता है। यही कारण है कि प्रदेश की बेरोजगारी दर मात्र 1 से 1.5 प्रतिशत के बीच रह गई है। सरकार युवाओं को केवल 'रोजगार पाने वाला' नहीं, बल्कि 'रोजगार देने वाला' बनाने के लिए उद्यमिता योजनाओं और कौशल विकास पर बल दे रही है। तकनीकी शिक्षा के तहत महाविद्यालयों में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र खोले जा रहे हैं। मध्य प्रदेश कृषि क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है।

संपादकीय

आर्थिक सशक्तिकरण : आय और उत्पादन में वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में विकास की जो यात्रा तय की है, वह 'स्पीड और स्केल' (गति और विस्तार) का जीवंत उदाहरण है। 2014 में सत्ता संभालने के बाद से मोदी सरकार ने स्थापित लक्ष्यों को केवल प्राप्त ही नहीं किया, बल्कि उन्हें नए आयाम दिए हैं। यह लेख प्रधानमंत्री मोदी की अर्थनीति और उनके 13 वर्षों के बजटीय निर्णयों के दूरगामी परिणामों का विश्लेषण करता है। प्रधानमंत्री मोदी की अर्थनीति

का सबसे प्रभावी परिणाम प्रति व्यक्ति आय में उछाल है। 2014 में जो वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 86,647 रुपये थी, वह 2023 में बढ़कर 1.72 लाख रुपये हो गई। वैश्विक महामारी और अनिश्चितताओं के बावजूद, 2024-25 में यह आंकड़ा 2.35 लाख रुपये तक जा पहुंचा और 2026 तक इसके 2.72 लाख रुपये होने का अनुमान है। इसी प्रकार, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) भी 98,405 रुपये से बढ़कर 2.34 लाख रुपये से अधिक हो गई है। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि सरकार ने मध्यम और निम्न वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। भारत आज विश्व के निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद स्थल बनकर उभरा है। 2013-14 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में 80 अरब डॉलर को पार कर गया है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत ने लंबी छलांग लगाई है; 11 वर्षों में कुल निर्यात 465 अरब डॉलर से बढ़कर 825.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह 177.5 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर विनिर्माण और 'मेक इन इंडिया' की सफलता का प्रमाण है। मोदी सरकार की 'स्पीड' का सबसे बड़ा उदाहरण बुनियादी ढांचा है। 2014 में उच्च गति वाले गलियारों (हाई-स्पीड कॉरिडोर) की लंबाई मात्र 550 किमी थी, जो 2025 तक बढ़कर 5,364 किमी हो गई है। रेल नेटवर्क का 80 प्रतिशत हिस्सा अब 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति के लिए तैयार है। हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 164 हो चुकी है, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। मार्च 2014 में सौर और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 76.38 गीगावाट थी, जो नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट तक पहुंच गई है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संकल्प लेते हुए बजट को 2.53 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये किया गया है। आज भारत न केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए आधुनिकतम तकनीक अपना रहा है, बल्कि स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से आयात पर निर्भरता भी कम कर रहा है। जो देश कभी अनाज की कमी से जूझता था, आज वह ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक के कृषि उत्पादों का निर्यात कर रहा है। सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। मोदी सरकार का 13 वर्षों का बजट केवल धन का आवंटन नहीं, बल्कि भारत के खोए हुए गौरव को वापस पाने का मार्ग है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था?

मोना खलझूनिया

भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा ढांचा शहरों तक ही सिमटा है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी की रिपोर्ट बताती है कि गांवों में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है। जहां अस्पताल के भवन खड़े भी हैं, वहां डॉक्टरों, नर्सों और लैब-टेक्नीशियनों के हजारों पद खाली पड़े हैं। मैदानी इलाकों की तुलना में पहाड़ी राज्यों की स्थिति और भी विकट है, जहां भूगोल और मौसम इलाज की राह में सबसे बड़ी बाधा बन जाते हैं।

बजट और धरातल के बीच की खाई

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। आयुष्मान भारत और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन उत्तराखंड के दूरस्थ गांवों तक इन योजनाओं का असर पहुंचने की रफ्तार बेहद धीमी है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक स्थित जखेड़ा गांव का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। यह केंद्र केवल जखेड़ा ही नहीं, बल्कि गनीगांव, सैलानी और लमचूला जैसे कई गांवों की करीब 5,800 की आबादी का इकलौता सहारा है। बावजूद इसके, सुविधाएं नगण्य हैं। गांव के 55 वर्षीय रघुवीर सिंह परिहार बताते हैं, ''कहने को तो अस्पताल है, लेकिन जरूरतें पूरी नहीं होतीं। एक डॉक्टर, एक वार्ड बॉय और एक फार्मासिस्ट के भरोसे इतनी बड़ी आबादी है।'' ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता केवल कागजों तक सीमित है। आशा कार्यकर्ता कांता परिहार के अनुसार, अस्पताल का स्टाफ सुबह 10 बजे आता है और दोपहर 2 बजे चला जाता है। शाम ढलते ही यह केंद्र सूना हो जाता है। रात में किसी की तबीयत बिगड़ने पर एम्बुलेंस का इंतजार जानलेवा साबित होता है। मरीजों को निजी वाहनों से 33 किमी दूर गरुड़ या बैजनाथ ले जाना पड़ता है, जिससे कई बार रास्ते में ही मरीज की हालत गंभीर हो जाती है।

महिलाओं की चुप्पी और संकोच

स्वास्थ्य व्यवस्था का एक मानवीय पहलू महिलाओं का संकोच भी है। सैलानी गांव की 20 वर्षीय प्रीति और लमचूला की माया कहती हैं कि महिला डॉक्टर न होने के कारण वे माहवारी या अन्य स्त्री रोगों पर खुलकर बात नहीं कर पातीं। पुरुष डॉक्टरों की मौजूदगी में युवतियां अपनी पीड़ा मन में ही दबा लेती हैं। स्थानीय निवासी उम्मेद सिंह बताते हैं कि एएनएम का पद होने के बावजूद वे अक्सर अनुपस्थित रहती हैं, जिससे गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय असहनीय दर्द और जोखिम का सामना करना पड़ता है। बुजुर्गों के लिए भी स्थिति सुखद नहीं है। 66 वर्षीय गोविंद परिहार दवाओं की कमी और उनके एक्सपायर होने की चिंता जताते हैं। वे कहते हैं, ''गंभीर मरीज को तुरंत रेफर कर दिया जाता है, लेकिन पहाड़ी रास्तों पर यह तय नहीं होता कि वह बड़े अस्पताल तक जीवित पहुंच पाएगा या नहीं।'' गनीगांव के धीरज बिष्ट और 60 वर्षीय माधव सिंह का मानना है कि भवन और सामग्री होने के बावजूद इच्छाशक्ति की कमी के कारण गांव के बच्चे और बुजुर्ग दम तोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा केवल एक सरकारी सेवा नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। जब एक गर्भवती महिला रात के अंधेरे में वाहन का इंतजार करती है या एक बुजुर्ग को दवा के बजाय 'रेफर-स्लिप' थमा दी जाती है, तो यह हमारी व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।

संतोष नगर में गूंजी रामचरितमानस की चौपाइयां: अखंड रामायण पाठ और महायज्ञ संपन्न

श्रद्धालुओं ने ली आहुतियां; साहित्यकारों और गणमान्य अतिथियों ने प्राप्त किया प्रभु श्री राम का आशीर्वाद

मुंबई. शाबाश इंडिया

मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित संतोष नगर में 'श्री जय बजरंगबली रामायण मंडल' के तत्वावधान में आयोजित श्री अखंड रामायण पाठ एवं भव्य महायज्ञ बुधवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में गोरेगांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

भक्तिमय वातावरण और महायज्ञ

कार्यक्रम का शुभारंभ अखंड रामायण पाठ के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण राममय हो गया। रामायण पाठ की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने विश्व शांति और जनकल्याण की कामना के साथ आहुतियां दीं। इस संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान में आचार्य सुनील तिवारी ने मुख्य पुरोहित की विशेष भूमिका निभाई और शास्त्रोक्त विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया।

विशिष्ट अतिथियों का सम्मान

इस पावन अवसर पर साहित्य और पत्रकारिता जगत की अनेक विभूतियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों में वरिष्ठ कवयित्री एवं 'नीलांबरी फाउंडेशन' की संस्थापिका डॉ. नीलिमा पांडे, पत्रकार व साहित्यकार लक्ष्मीकांत कमलनयन, गौरी शंकर चौबे, शुभम मिश्रा, वैष्णवी तिवारी और कृतायन पांडे शामिल रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने भगवान श्री राम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य सुनील तिवारी ने सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत एवं सम्मान किया।

महाप्रसाद के साथ समापन

महायज्ञ की समाप्ति के उपरांत भव्य 'महाप्रसाद' का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंत में आचार्य सुनील तिवारी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी स्वयंसेवकों, मंडल के सदस्यों और पधारे हुए भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बोलखेड़ा पंचकल्याणक महोत्सव

महाराजा आदिकुमार ने धारण किया दिगंबरत्व, मुनि प्रणम्य सागर ने संपन्न कराए दीक्षा संस्कार

नीलांजना का नृत्य देख जागा वैराग्य; माता मरुदेवी की भावुकता ने श्रद्धालुओं की आंखें कीं नम

कामां/बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया। जम्बू स्वामी की ऐतिहासिक तपोभूमि ग्राम बोलखेड़ा स्थित वर्धमान पंच बालयति तीर्थ पर आयोजित जैन धर्म के भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस 'तप कल्याणक' का आयोजन भक्ति और वैराग्यपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में तीर्थंकर के दीक्षा प्रसंग को जीवंत किया गया।

सांसारिक सुखों का त्याग ही मोक्ष का मार्ग

इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री प्रणम्य सागर ने कहा कि तप कल्याणक तीर्थंकर के जीवन का वह महान क्षण है, जब वे राजसी वैभव और सांसारिक सुख-भोग को त्यागकर आत्म-कल्याण के लिए दिगंबर दीक्षा धारण करते हैं। यह महोत्सव वैराग्य और आत्म-साधना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज महाराजा ऋषभनाथ (आदिकुमार) के वैराग्य की अनुमोदना के लिए इंद्र भी मेघों के साथ उपस्थित हुए हैं। यह पावन धरा अब वास्तव में तपोभूमि बन चुकी है, क्योंकि बिना वैराग्य के मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है।

रोटरी मेडिकल मिशन का कैम्प मुंगावली में सम्पन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन, शिवपुरी के अंतर्गत रोटरी परिवार एवं श्रीमंत माधव राव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के सहयोग से मध्य प्रदेश शासन द्वारा बुधवार को अशोकनगर जिले के शासकीय चिकित्सालय, मुंगावली में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीएमओ डॉ. अजय जाटव, डॉ. दिनेश त्रिपाठी, डॉ. रघुराज राजपूत, डॉ. मनीषा यादव तथा डॉ. अनुजा सिंघई सहित चिकित्सा दल ने सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों में नगरपालिका अध्यक्ष नरेश ग्वाल, मंडल अध्यक्ष नगेंद्र परिहार, जिला उपाध्यक्ष दीपक पालीवाल, नगरपालिका उपाध्यक्ष मनीष मोदी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सत्यजीत सिकरवार, आदित्य तोमर, दीपेश भार्गव, विमल प्रजापति, रोटरी अध्यक्ष अजित कुमार जैन, विजय कुमार चौधरी, माधव सिंह रघुवंशी सहित मेडिकल स्टाफ, आशा कार्यकर्ता, बीपीएम, एमटीएस एवं बीसीएम स्टाफ उपस्थित रहा। शिविर में कुल 348 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। गंभीर अवस्था वाले 51 मरीजों को जिला अस्पताल, अशोकनगर के लिए रेफर किया गया। सभी मरीजों की बीपी, शुगर एवं ब्लड जांच सहित अन्य आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। इस परियोजना के अंतर्गत गंभीर रोग से ग्रसित मरीजों को 17 मार्च से 24 मार्च 2026 तक शिवपुरी में आयोजित विशेष शिविर में उपचार हेतु भेजा जाएगा, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका समुचित इलाज किया जाएगा।

शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी के लिए पहला जत्था 19 फरवरी को होगा रवाना

यात्रा संघ में 150 तीर्थयात्रियों का पंजीयन

निवाई. शाबाश इंडिया

आचार्य पदमनन्दी जी महाराज संघ की प्रेरणा से संचालित पदमनन्दी यात्रा संघ के तत्वावधान में शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी की यात्रा के लिए पहला जत्था 19 फरवरी को तथा दूसरा जत्था 20 फरवरी को गाजे-बाजे के साथ रवाना होगा। यात्रा संघ के संघपति गोपाल कठमाणा ने बताया कि निवाई से सम्मेद शिखरजी तीर्थ यात्रा के लिए दो जत्थे प्रस्थान करेंगे। तीर्थ यात्रा संघ में लगभग 150 यात्रियों का पंजीयन हो चुका है। संघपति शंभु कठमाणा ने बताया कि सभी यात्री बड़े जैन मंदिर से गाजे-बाजे के साथ रवाना होकर पदमपुरा के दर्शन करते हुए जयपुर रेलमार्ग से शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी के लिए प्रस्थान करेंगे। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने जानकारी दी कि सभी यात्री झारखंड राज्य स्थित ईसरी पार्श्वनाथ एवं गिरिडीह की यात्रा करते हुए सम्मेद शिखरजी पहुंचेंगे, जहां श्रद्धालु भक्तिभाव से सम्मेद शिखर पर्वतों की वंदना करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्व वंदनीय तीर्थ सम्मेद शिखरजी में 24 फरवरी को भगवान चन्द्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निवाई के श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ निर्वाण लाडू अर्पित कर पूजा-अर्चना करेंगे। इस अवसर पर वात्सल्य मूर्ति आर्यिका रत्न आदिमति माताजी की शिष्या आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोधमति माताजी ने सभी श्रद्धालुओं और यात्रियों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का द्वितीय समाधि स्मृति दिवस आचार्य छत्तीसी विधान के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जन-जन के हृदय सम्राट एवं प्राणी मात्र के प्रति करुणा भाव रखने वाले आचार्य शिरोमणि विद्यासागर महामुनिराज के द्वितीय समाधि स्मृति दिवस पर श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर (महारानी फार्म) में मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 18 फरवरी 2026 को प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ हुआ। नित्य अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा के पश्चात आचार्य छत्तीसी विधान विधानाचार्य अजीत शास्त्री के निर्देशन में संपन्न कराया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि उक्त विधान में सोधर्म इंद्र बनकर वीरेंद्र सुनंदा अजमेरा ने विधान पूजा कराई। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा, वरिष्ठ अधिवक्ता विमल कुमार जैन, वरिष्ठ समाजसेवी अनिल गदिया, अशोक जैन (विधानसभा वाले), अशोक जैन (कासलीवाल, एचपीसीएल), बसंत बाकलीवाल, संतोष बाकलीवाल, सुनील जैन (तिजारा वाले), कमल (मालपुरा वाले) सहित अनेक गणमान्यजन एवं महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे और विधान पूजा में सहभागिता की। विधानाचार्य अजीत शास्त्री ने आचार्य के उपकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूज्य आचार्य जन-जन के परम आराध्य थे। उन्होंने समाज एवं धर्म के लिए अनेक प्रेरणादायी कार्य किए और अपने तप, त्याग एवं साधना से संपूर्ण समाज को दिशा प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़े मरीज

इलेक्ट्रोपैथी को सरकारी औषधालयों में शामिल करने की उठी मांग

रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने सराहा; 437 रोगियों का हुआ उपचार

कोटा. शाबाश इंडिया। इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद राजस्थान (जयपुर) की कोटा इकाई द्वारा बुधवार को एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। तलवंडी स्थित शिव भगवती मंदिर समिति एवं समाजसेवी राजेंद्र अग्रवाल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में सैंकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की नियुक्ति की वकालत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान रेड क्रॉस सोसाइटी एवं नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने चिकित्सकों के सेवा भाव की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ₹कोटा के इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सक 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। मैं राज्य सरकार को पत्र लिखकर आग्रह करूँगा कि इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की नियुक्ति सभी सरकारी औषधालयों (डिस्पेंसरियों) में की जाए और इसके लिए अलग से बजट आवंटित हो, ताकि यह सस्ती और सुलभ चिकित्सा पद्धति जन-जन तक पहुँच सके।₹

जन-जन तक पहुंचेगी चिकित्सा पद्धति

विशिष्ट अतिथि एवं निवर्तमान पार्षद योगेश अहलूवालिया 'राणा' ने कहा कि उनके आग्रह पर वार्ड संख्या 55 में यह शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने इलेक्ट्रोपैथी को सबसे सस्ती और हानि रहित पद्धति बताते हुए इसे सरकारी अस्पतालों में स्थान दिलाने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। परिषद के संरक्षक डॉ. आर.बी. गुप्ता एवं संभाग प्रभारी डॉ. शादाब अहमद ने बताया कि शिविर में कुल 437 रोगियों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। मरीजों के लिए रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और मधुमेह (शुगर) की जाँच निःशुल्क की गई। साथ ही, शिविर में आने वाले सभी रोगियों को 15 दिनों की दवाइयां भी बिना किसी शुल्क के प्रदान की गईं।

इन चिकित्सकों ने दी सेवाएं

शिविर में कोटा के कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं दीं। इनमें मुख्य रूप से जिला सचिव डॉ. महावीर प्रसाद, डॉ. सुल्तान आबिद खान, डॉ. एस.पी. मिश्रा, डॉ. शिखा गुप्ता, डॉ. सलमा बेगम, डॉ. अदा फिरोज, डॉ. रामप्रताप, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. शाकिर मोहम्मद, डॉ. जी.पी. राजकुमार, डॉ. दीप सिंह और डॉ. सुरेन्द्र सिंह चौहान शामिल रहे।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज का द्वितीय महाप्रयाण दिवस: गौ-सेवा कर अर्पित की भावांजलि

पिंजरापोल गौशाला में खिलाया हरा चारा और गुड़; आर्यिका विष्णुप्रभा माताजी ने रेखांकित किया आचार्यश्री का गौ-प्रेम

प्रतापनगर/सांगानेर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वितीय महाप्रयाण (समाधि) दिवस एवं प्रथम गणिनी आर्यिका विजयमति माताजी के समाधि दिवस के पुण्य अवसर पर जैन समाज द्वारा विशेष धार्मिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं आर्यिका श्री विष्णुप्रभा माताजी के पावन सानिध्य में सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में गौ-सेवा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आचार्यश्री के जीवन में गौ-वंश का विशेष स्थान

इस अवसर पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका श्री विष्णुप्रभा माताजी ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का संपूर्ण जीवन करुणा और जीव-दया को समर्पित था। उन्होंने देश के अनेकों स्थानों पर गौशालाओं की स्थापना करवाई और हमेशा गौ-वंश के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष बल दिया।

स्मृति शेष: चंद्रगिरी तीर्थ में हुई थी समाधि

कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते हुए अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने 18 फरवरी 2024 को मध्यरात्रि 2:35 बजे छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी तीर्थ पर समाधि धारण की थी। उनका अंतिम संस्कार पारंपरिक जैन रीति-रिवाजों के अनुसार उसी पावन धरा पर संपन्न हुआ था।

समाज ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

महाप्रयाण के दो वर्ष पूर्ण होने पर समाज के बंधुओं ने पिंजरापोल गौशाला में एकत्रित होकर गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। आचार्यश्री के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में श्रावक और श्राविकाएं उपस्थित रहे। संपूर्ण वातावरण आचार्यश्री के जयकारों और धार्मिक भजनों से गुंजायमान रहा।

'भारत प्रथम' कृत्रिम मेधा तंत्र का जियो ने पेश किया मार्गचित्र

स्वदेशी और संप्रभु तकनीक पर जोर; हरित डेटा केंद्रों के माध्यम से डिजिटल क्रांति की तैयारी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में जियो ने अपने 'भारत प्रथम कृत्रिम मेधा तंत्र' (नेशन-फर्स्ट एआई स्टैक) की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कंपनी ने दावा किया है कि इस पूर्ण-स्तरीय स्वदेशी ढांचे को भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं और बड़े पैमाने की मांग को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है।

संप्रभु और टिकाऊ तकनीक पर ध्यान

इस पहल के तहत गीगावॉट क्षमता वाले 'हरित डेटा केंद्र' स्थापित किए जा रहे हैं, जो पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होंगे। इसका उद्देश्य एक ऐसा 'संप्रभु' तकनीकी वातावरण तैयार करना है, जो देश के भीतर विकसित हो और राष्ट्रीय सुरक्षा व हितों के अनुरूप संचालित हो। यह ढांचा केवल डेटा केंद्रों तक सीमित न रहकर उच्च क्षमता वाली गणना, मंच और अनुप्रयोगों की एक पूरी श्रृंखला के रूप में कार्य करेगा।

भारतीय भाषाओं को प्राथमिकता

जियो के इस तंत्र का मुख्य केंद्र कृत्रिम मेधा को प्रत्येक भारतीय, उद्योगों और सरकारी संगठनों के लिए सुलभ व किफायती बनाना है। इसके अंतर्गत भारतीय भाषाओं को समझने वाले व्यापक डेटा समूह तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही, सुरक्षित और बहुभाषी 'वाणी-आधारित' तकनीक पर भी कार्य किया जा रहा है, जिससे आम नागरिक अपनी स्थानीय भाषा में तकनीक के साथ सहज संवाद कर सकें।

मुक्तागिरि तीर्थ क्षेत्र में होंगी जैनेश्वरी दीक्षाएं

हजारों गुरु भक्तों का उमड़ेगा सैलाब

इंदौर. शाबाश इंडिया। प्रदेश के सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र मुक्तागिरि में कल जैनेश्वरी दीक्षाओं का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर हजारों गुरु भक्तों के पहुंचने की संभावना है। तीर्थ क्षेत्र में 'नमोस्तु शासन जयवंत हो' के जयघोष गुंजायमान होंगे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने जानकारी दी कि नवाचार्य समय सागर जी संघ के सान्निध्य में आयोजित इस दीक्षा महोत्सव में प्रदेश भर से गुरु भक्त बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। इंदौर नगर से 11 बसों द्वारा समाजजन मुक्तागिरि के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक भक्त-शिष्य की भावना रहती है कि उन्हें पूज्य गुरुदेव के हस्तकमलों से जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त हो। इसी भावना को साकार करने हेतु निर्यापक श्रमण मुनि नियम सागर, मुनि अभय सागर, मुनि संभव सागर, मुनि वीर सागर तथा शंका समाधान प्रणेता मुनि प्रमाण सागर सहित अन्य पूज्य मुनियों के उपसंघों से एलक एवं क्षुल्लकों को मुनि दीक्षा ग्रहण के लिए आचार्य समय सागर के चरणों में प्रस्तुत किया गया है। संभावित रूप से 23 एलक/क्षुल्लकों को मुनि दीक्षा प्रदान की जाएगी। दीक्षा पूर्व छुल्लक महाराजों द्वारा अपने गुरुदेव को आहार दान करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। त्रिदिवसीय आयोजन के चलते मुक्तागिरि क्षेत्र में समाजजनों एवं गुरु भक्तों का आगमन निरंतर जारी है। देशभर से हजारों श्रद्धालु दीक्षा महोत्सव के साक्षी बनने के लिए पहुंच रहे हैं।

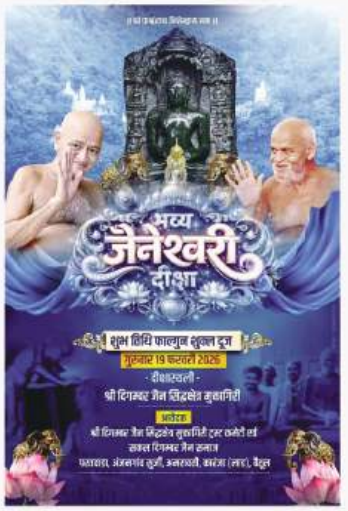

आचार्य विद्यासागर के द्वितीय समाधि दिवस पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि दिवस के अवसर पर वैशाली नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तपस्वी आचार्य सुंदर सागर संघ के पावन सान्निध्य में संपन्न हुए। इस अवसर पर पूजन, विधान, प्रवचन एवं विशेष प्रश्नमंच कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इससे पूर्व अमृतलाल-आलोक काला परिवार की ओर से दिव्य भक्ताम्बर दीपार्चना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर प्रबंध समिति के विपुल जैन एवं संजय बगड़ा ने बताया कि प्रातःकाल आचार्य सुंदर सागर महाराज ने चार अन्य साधुओं के साथ विधिपूर्वक केशलोंच किया। इस आध्यात्मिक दृश्य को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। दोपहर में साज-सज्जा के बीच 108 जोड़ों द्वारा भव्य पूजन संपन्न हुआ। प्रवचन के दौरान आचार्य सुंदर सागर ने आचार्य विद्यासागर महाराज के त्याग, तप एवं आदर्श आध्यात्मिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। सायंकाल समाधान कार्यक्रम के पश्चात विशेष प्रश्नमंच आयोजित किया गया, जिसमें आचार्य विद्यासागर के जीवन से संबंधित 15 प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले 15 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। प्रश्नमंच के पुण्यार्जक सुमेरचंद-ममता एवं हनी-मेघा पाटोदी परिवार (नावां वाले), वैशाली नगर रहे। समिति ने बताया कि 19 फरवरी को प्रथम गणिनी आर्यिका विजयमति माताजी का 20वां समाधि दिवस भी श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। प्रातःकाल माताजी की पूजन एवं सायंकाल समस्त आचार्य संघ के सान्निध्य में भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

"जाते नहीं महासंत धरा से, वह तो अमर हो जाते हैं"

झुमरीतिलैया में मनाया गया आचार्य विद्यासागर जी का द्वितीय समाधि दिवस

भक्तों ने अभिषेक और पूजन कर दी भावांजलि; राष्ट्र, संस्कृति और जीव-दया के लिए उनके उपकारों को किया याद

झुमरीतिलैया/कोडरमा. शाबाश इंडिया

यह मात्र कल्पना नहीं, अपितु एक शाश्वत सत्य है कि महापुरुष इस धरा को छोड़कर कभी नहीं जाते। अवतार पुरुष जब अवतरित होते हैं, तो वे विदा नहीं होते; वे तो भक्तों के हृदय में सदा के लिए विराजमान हो जाते हैं। समाधि सम्राट, संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के द्वितीय महाप्रयाण दिवस पर झुमरीतिलैया जैन समाज ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

धार्मिक अनुष्ठानों से महका मंदिर परिसर

झुमरीतिलैया स्थित जैन मंदिर में आचार्य श्री का समाधि दिवस अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के अभिषेक के साथ हुआ। इसके पश्चात इंदु जैन सेठी परिवार द्वारा आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। समाज के अनगिनत भक्तों ने अष्टद्रव्य के साथ आचार्य श्री का पूजन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

राष्ट्र और संस्कृति के उद्धारक

इस अवसर पर भक्तों ने आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरुवर ने पूरे देश में भ्रमण कर राष्ट्र, संस्कृति और अध्यात्म का वैभव जगाया। उन्होंने भारत को 'इंडिया' नहीं अपितु 'भारत' कहने का पाठ पढ़ाया और स्वदेशी का मंत्र दिया। उनके ही विजन का परिणाम है कि आज जेल के कैदी हथकरघा के माध्यम से स्वावलंबन प्राप्त कर रहे हैं और 'प्रतिभास्थली' जैसी संस्थाएं देश की बेटियों को संस्कारवान शिक्षा प्रदान कर रही हैं।

करुणा और जीव-दया का विस्तार

गुरुदेव ने केवल मनुष्यों को ही नहीं, बल्कि मूक पशुओं के उद्धार का मार्ग भी प्रशस्त किया। भारतीय संस्कृति में पूजनीय गौ-माता की रक्षा के लिए उन्होंने 'दयोदय' जैसी विशाल गौशालाओं का आशीर्वाद दिया। आयुर्वेद पर अटूट विश्वास जगाते हुए 'पूणार्यु' के माध्यम से उन्होंने रुग्ण मानवता को निरोगी बनाने का महान कार्य किया।

साहित्यिक और आध्यात्मिक वैभव

आचार्य श्री एक महान साहित्यकार भी थे। उनकी कालजयी कृति 'मूकमाटी' महाकाव्य ने हिंदी साहित्य को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया। उन्होंने मिट्टी और कुंभकार के माध्यम से गुरु और शिष्य के संबंधों की अद्भुत व्याख्या की। कुंडलपुर में 'बड़े बाबा' के भव्य मंदिर का निर्माण और नर्मदा के कंकड़ों को शंकर बनाने वाली उनकी विचारधारा युगों-युगों तक हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।

आरती के साथ समापन

संध्या काल में भक्तों ने सामूहिक रूप से गुरुवर की महाआरती की। कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा और शरणम जैन (जबेरा) ने बताया कि गुरुदेव के उपकारों को शब्दों में बांधना असंभव है। उनका स्मरण ही हर संकट को हरने वाला है। समाधि सम्राट महामुनिराज आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा।

पदमपुरा में 'पाषाण से परमात्मा' बनने का अनुष्ठान प्रारंभ: भव्य घट यात्रा के साथ पंचकल्याणक का मंगल आगाज

आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में गूंजे जयकारे; गुरुवार को 1008 कलशों से होगा तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं 'पद्मबल्लभ' शिखर कलश-ध्वजारोहण महोत्सव का बुधवार को भव्य शुभारंभ हुआ। मंगल घट यात्रा और ध्वजारोहण के साथ शुरू हुए इस पांच दिवसीय आयोजन से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

साधना से प्रतिष्ठित होंगे भगवान

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में पाषाण की प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार और क्रियाओं द्वारा 'परमात्मा' के रूप में प्रतिष्ठित किया जा रहा है। महोत्सव के अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन और महामंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य पंडित हंसमुख जैन के निर्देशन में 'गर्भ कल्याणक' की समस्त क्रियाएं शुद्धता के साथ संपन्न की गईं।

भव्य घट यात्रा और प्रवचन की अमृत वर्षा

प्रातः काल कीर्ति स्तंभ से गाजे-बाजे के साथ विशाल घट यात्रा निकाली गई, जिसमें पीली साड़ी पहने सैकड़ों महिलाएं मंगल कलश सिर पर धारण कर शामिल हुईं। धर्मसभा को संबोधित

करते हुए आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि संस्कार माता के गर्भ से ही प्रारंभ होते हैं। उन्होंने गर्भावस्था में महिलाओं को धार्मिक और आध्यात्मिक रहने की प्रेरणा दी। आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने संयम और त्याग द्वारा मनुष्य जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया।

माता की गोद भराई और रत्नों की वर्षा

दोपहर में तीर्थंकर बालक की माता शशि पहाड़िया की मांगलिक गोद भराई की रस्म सूखे मेवे और फलों से की गई। संध्या काल में महाआरती के बाद 'गर्भ कल्याणक' का नाटकीय मंचन हुआ, जिसमें कुबेर इंद्र बने पारस-पूजा पाटनी द्वारा रत्नों की वर्षा की गई। इंद्र दरबार और माता के सोलह स्वप्नों के दृश्यों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। विशेष आकर्षण के रूप में यहाँ 111 फीट ऊंचा धर्म ध्वज स्थापित किया जा रहा है, जो प्रदेश में अपनी तरह की पहली पहल है।

आज मनेगा जन्म कल्याणक

मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार, आज 19 फरवरी (गुरुवार) को 'जन्म कल्याणक' महोत्सव मनाया जाएगा। प्रातः 11:30 बजे भव्य लवाजमे के साथ जन्मोत्सव शोभायात्रा निकाली जाएगी। हाथी, घोड़े और बग्गियों के साथ श्रद्धालु 'पांडुक शिला' पहुंचेंगे, जहाँ तीर्थंकर बालक का 1008 कलशों से महा-अभिषेक किया जाएगा। रात्रि में बालक को प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य सुभाष जैन जौहरी परिवार को प्राप्त होगा।

आगामी कार्यक्रम:

20 फरवरी: तप कल्याणक (गृह त्याग और दीक्षा विधि)।
21 फरवरी: केवलज्ञान कल्याणक।
22 फरवरी: मोक्ष कल्याणक (रथयात्रा और कलशारोहण)। इसी दिन आचार्यश्री के कर-कमलों से जैनेश्वरी दीक्षा भी संपन्न होगी।

पोहड़का विद्यालय को सौरभ गोयल की डिजिटल सौगात, सरपंच ने की सराहना

समाजसेवी ने भेंट किए दो संगणक; विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जुड़ने का मिलेगा अवसर

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल करते हुए स्थानीय समाजसेवी सौरभ गोयल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पोहड़का को दो संगणक (कंप्यूटर) भेंट किए हैं। उनके इस सहयोग से विद्यालय में डिजिटल शिक्षा को नई गति मिलेगी तथा विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी संसाधनों के माध्यम से ज्ञानार्जन करने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा।

विद्यालय में गरिमामयी आयोजन

विद्यालय परिसर में आयोजित एक संक्षिप्त

कार्यक्रम के दौरान ये संगणक विद्यालय प्रशासन को सौंपे गए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने सौरभ गोयल का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। प्रधानाचार्य सुरेश पूनियां ने कहा कि आज के आधुनिक युग में तकनीकी शिक्षा का महत्व निरंतर बढ़ रहा है और ऐसे निस्वार्थ सहयोग से ग्रामीण विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर अधिक सुदृढ़ होगा।

समाज के प्रति उत्तरदायित्व

इस अवसर पर सौरभ गोयल ने कहा कि शिक्षा ही समाज की वास्तविक नींव है। बच्चों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराना हम सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय के विकास कार्यों में यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पंचायत प्रतिनिधियों ने जताया आभार

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और सरपंच सुमन सहारण ने गोयल के इस कदम को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। पंचायत सदस्यों का कहना था कि यदि समाज के अन्य संपन्न लोग भी इसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में आगे आएं, तो ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों का स्तर और अधिक उन्नत किया जा सकता है। ग्रामीणों ने भी इस योगदान की सराहना करते हुए इसे शिक्षा की दिशा में एक सकारात्मक प्रहार बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय स्टाफ और ग्राम पंचायत की ओर से सौरभ गोयल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच सुभाष सहारण सहित विद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ और गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिंधी समाज ने चंड के उपलक्ष्य में निकाली प्रभात फेरी

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

झूलेलाल मंदिर से चंड के उपलक्ष्य में बुधवार प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई प्रेम प्रकाश आश्रम पहुंची। आश्रम में समाज के महिला-पुरुष एवं बच्चों ने भजन-कीर्तन और नृत्य के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात आरती एवं पल्लव के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद प्रभात फेरी ओम भाई लालवानी की दुकान पर पहुंची, जहां भजन-कीर्तन, आरती और पल्लव के साथ पुनः प्रसाद वितरण किया गया। मुखी काली बाबानी ने बताया कि प्रभात फेरी प्रत्येक माह चंड के अवसर पर निकाली जाती है, जिसमें समाज के सभी लोग उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। प्रभात फेरी संचालक अशोक लोकवाणी एवं राजेश लहरवानी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में गोप बाबानी, नानक टहलवानी, रूपा बाबानी, लाल बाबानी, प्रकाश मेडिकल, पूर्ण भाई, प्रदीप बूलचंदानी, कालू तेजवानी, पिंकू प्रताप राय, राजू संगतानी, किशोर चेलानी, रमेश लालवानी, साधु लालवानी, हरीश कृपलानी, साजन नागरानी, जयकिशन गुरुनानी, राजीव रोहित खेराजानी सहित बहनों में गोपी तेजवानी, मीना लोंगवानी, देवी बाबानी, निशा खेराजानी, कविता बाबानी, सीमा लालवानी आदि ने सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में समाजजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली।

108 कुंडात्मक श्रीराम महायज्ञ का पोस्टर विमोचन, यज्ञशाला की तैयारियां जोरों पर

जयपुर. शाबाश इंडिया

कोटि होमात्मक नवदिवसीय 108 कुंडात्मक श्रीराम महायज्ञ का आयोजन 21 फरवरी से 1 मार्च तक सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन, गेट नंबर 6 पर किया जाएगा। यह महायज्ञ सियारामदास महाराज की बगीची, ढेहर के बालाजी के महंत वैष्णव हरिशंकर दास महाराज वेदांती के सान्निध्य में संपन्न होगा। महोत्सव से पूर्व यज्ञ का पोस्टर विमोचन किया गया। इस अवसर पर महाराज ने बताया कि महायज्ञ में हवन सामग्री पूर्णतः शुद्ध होगी तथा देसी गौमाता के घृत से आहुतियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि आयोजन में देशभर से ख्यातिप्राप्त संत-महात्मा भाग लेंगे। महोत्सव के तहत 21 फरवरी को दोपहर 1 बजे रोड नंबर 1 स्थित सन मून टावर से 2100 महिलाओं की सहभागिता से विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई यज्ञस्थल तक पहुंचेगी। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में सत्यप्रकाश रावत, त्रिलोक खंडेलवाल, पूरन कायथवाल, रुपेश शर्मा, पूरन सिंह, अक्षय जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दादा गुरुदेव जिन दत्त सूरी के सामूहिक 'इकतिसा पाठ' को लेकर जयपुर में बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया

संकट मोचन दादा गुरुदेव जिन दत्त सूरी के सामूहिक एक करोड़ 8 लाख ''दादा गुरुदेव इकतिसा पाठ'' के आयोजन को लेकर जयपुर में समाज के विभिन्न सामाजिक बंधुओं की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण रहा। बैठक में उपस्थित सभी जनों ने भावपूर्ण सहभागिता करते हुए समाज में सांस्कृतिक एकात्मता, समरसता और सद्भाव को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 7 मार्च 2026 (शनिवार) को प्रत्येक घर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ दादा गुरुदेव का 'इकतिसा पाठ' आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर एक करोड़ 8 लाख पाठ पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ अधिक से अधिक समाजबंधुओं को जोड़ने का आह्वान किया गया। बैठक में सुनील कोठारी, जयपुर नगर निगम ग्रेटर के पूर्व उपमहापौर पंकज, सूरज भान, ज्योति कोठारी, अभिनव शर्मा, अभिषेक सिंघवी, नवीन भंडारी, राजेश सिंघवी, नरेंद्र मिश्रा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा सहयोग का आश्वासन दिया। आयोजकों ने बताया कि यह अभियान समाज में आध्यात्मिक जागृति, आपसी सद्भाव और सामूहिक एकता का सशक्त संदेश देगा तथा समाज को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बनेगा।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर ने वजवाना प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नवजात शिशुओं को वितरित किए 10 बेबी किट

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर संचालित स्थायी सेवा कार्यों के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, वजवाना में नवजात शिशुओं के लिए 10 मेडिकेटेड बेबी किट वितरित किए गए। कार्यक्रम वीरेंद्र कुमार यादव के निर्देशन, ट्रीसा टी. वर्गीज के संयोजन तथा इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में जितेंद्र सिंह चौहान ने संस्था के सदस्यों का स्वागत करते हुए वजवाना को बेबी किट वितरण के लिए चयनित करने पर आभार व्यक्त किया। ट्रीसा टी. वर्गीज ने महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर के विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने नवजात शिशुओं की माताओं से आग्रह किया कि वे बेबी किट में प्रदान किए गए वस्त्रों का ही उपयोग करें, जिससे शिशु संक्रमण से सुरक्षित रह सकें। इस अवसर पर ''हृदय सुरक्षा प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत चिकित्सकीय स्टाफ एवं प्रशिक्षण के लिए आए सीएचओ स्टाफ को जीवन रक्षक टैबलेट किट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रकाश कटारा, तेजेश जोशी, कपिल त्रिवेदी, राकेश मेहता, ट्रिसा टी. वर्गीज, वीणा भगोरा, लक्ष्मी बुज, हर्षिला शुक्ला, दीपक कलाल एवं प्रेमिला पाटीदार उपस्थित रहे। संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि आभार वीणा भगोरा, कपिल त्रिवेदी एवं दीपक कलाल ने व्यक्त किया।

सोनी पल पर सुरों और ज्ञान का अनूठा संगम

'कौन बनेगा करोड़पति' की हॉट सीट पर चमके सोनू निगम और श्रेया घोषाल

अमिताभ बच्चन के साथ सुरमयी हुई ज्ञान की महफिल; सामाजिक सरोकारों के लिए दिग्गजों ने मिलाया हाथ

मुंबई. शाबाश इंडिया

सोनी पल पर प्रसारित हो रहे भारत के सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक विशेष प्रकरण (एपिसोड) में संगीत जगत के दो दिग्गज–सोनू निगम और श्रेया घोषाल–प्रतिभागी के रूप में नजर आए। इस विशेष आयोजन में ज्ञान के साथ-साथ संगीत, पुरानी यादों और संवेदनाओं का ऐसा संगम हुआ जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम के प्रस्तोता अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान दोनों कलाकारों ने न केवल अपनी सूझ-बूझ का परिचय दिया, बल्कि अपनी अर्जित राशि के माध्यम से सामाजिक कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दर्शाई। ज्ञान और मानवीय मूल्यों का यह सुंदर मेल प्रेरणादायी रहा। श्रेया और सोनू ने हर सवाल का उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिया और साथ ही संगीत की दुनिया के कई अनछुए पहलुओं को साझा किया।

सकारात्मक बदलाव का उदाहरण

यह कड़ी दर्शकों के लिए इसलिए भी विशेष रही क्योंकि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता पर भी बल दिया गया। यह इस बात का जीवंत उदाहरण बना कि किस प्रकार ज्ञान और संवेदना मिलकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। संगीत की सुमधुर तानों और ज्ञान के गंभीर चचाओं के बीच हर बातचीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कहाँ और कब देखें?

सोनी पल एक 'फ्री-टू-एयर' (निःशुल्क प्रसारित होने वाला) चैनल है, जो सभी सेट-टॉप बॉक्स और डीडी फ्री डिश पर देशभर में उपलब्ध है। दर्शक इस विशेष सफर का आनंद

सोमवार से शनिवार, रात 8 बजे केवल सोनी पल पर ले सकते हैं।

पद्मावती जैन विद्यालय की उपलब्धि

"यूथ इको समिट-2026" में सहभागिता हेतु केंद्र सरकार ने किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी के जौहरी बाजार स्थित श्री पद्मावती जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (घी वालों का रास्ता) ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। विद्यालय को 'यूथ इको समिट-2026' में उल्लेखनीय और सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सम्मान पत्र (प्रमाण पत्र) प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इस शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को पर्यावरण संरक्षण और सूचना प्रौद्योगिकी के सामंजस्य से परिचित कराना था। पद्मावती जैन विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों ने पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और डिजिटल नवाचारों के क्षेत्र में अपने रचनात्मक विचारों को प्रस्तुत किया।

एआई हब बनेगा राजस्थानः भारत मंडपम में प्रदर्शित हुआ प्रदेश का डिजिटल प्रशासनिक मॉडल

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तकनीक को बढ़ावा

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश की राजधानी स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट समिट 2026' में राजस्थान की तकनीकी प्रगति ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। सम्मेलन में स्थापित 'राजस्थान एआई पवेलियन' (प्रदर्शनी स्थल) आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां राज्य की डेटा-आधारित प्रशासनिक संरचना और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर आधारित शासन मॉडल को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार राज्य को देश का 'कृत्रिम मेधा केंद्र' बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठा रही है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगामी बजट में दो 'एआई उत्कृष्टता केंद्रों' की स्थापना की घोषणा भी की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने जन समस्याओं के समाधान हेतु 'संपर्क पोर्टल' को कृत्रिम मेधा से जोड़ दिया है, जिससे अब लगभग दस प्रतिशत जनशिकायतें 'स्वचालित एआई बॉट' (यंत्र-संवाद) के माध्यम से पंजीकृत की जा रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर और आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन चर्चाओं का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

कंप्यूटिंग और अनुसंधान

'एनवीडिया' के अधिकारियों के साथ उच्च-क्षमता वाली गणना, अनुसंधान और नए उद्यमों (स्टार्टअप) के विकास पर चर्चा हुई ताकि राजस्थान को एक संप्रभु एआई केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

एक्सपोर्ट हब से हर जिले के विशिष्ट उत्पाद को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर, बढ़ेगा निर्यातः कर्नल राठौड़

जयपुर. शाबाश इंडिया

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पॉलिसी के तहत हर जिले के विशिष्ट उत्पाद को चिह्नित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन विशिष्ट उत्पादों के प्रमोशन और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक्सपोर्ट हब के माध्यम से जिलों में इन उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को आवश्यकतानुसार टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन के लिए वित्तीय सहयोग दिया जाता है। इसके अलावा ग्लोबल एक्सपोजर के लिए विदेशों में आयोजित मेलों में भाग लेने, एक्सपोर्ट हेतु ट्रांसपोर्टेशन सहित विभिन्न स्तरों पर आर्थिक सहायता दी जाती है। कर्नल राठौड़ ने बताया कि एक्सपोर्ट हब के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में लगभग 36 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया था। इसी कड़ी में प्रदेश की 350 इकाइयों को 16 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

7 भू-खंडों को आवंटन के लिए खोल दिया गया

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल के दौरान सदस्य दीप्ति किरण माहेश्वरी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उद्योग मंत्री ने कहा कि राजसमंद के दोहंदा औद्योगिक क्षेत्र में तकरीबन 13,500 वर्ग मीटर में स्टोन मंडी नियोजित की गई है। इसमें एक हजार वर्ग मीटर के 10 प्लॉट तैयार किए गए हैं, जिनमें से 7 भू-खंडों को आवंटन के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि राजसमंद की स्टोन मंडी के विकास के लिए हाल ही में लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि राजसमंद से वर्ष 2024-25 में लगभग 750 करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट भी किया गया है। इससे पहले विधायक माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने विगत तीन वर्षों में औद्योगिक विकास से संबंधित प्रमुख घोषणाओं का वर्ष-वार विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 8 अक्टूबर 2024 को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 को अधिसूचित किया गया है। इसके अंतर्गत प्राइवेट इण्डस्ट्रियल पार्कों, फुड पार्कों व वेस्ट प्रोसेसिंग पार्कों के लिए पात्रता अनुसार सर्कल रेट्स पर भूमि के अतिरिक्त बाउंड्री वॉल तक पानी व विद्युत की सुविधा प्रदान करने का प्रावधान है।

आदरणीय श्री प्रेमचंद जी-चंदा देवी जी
जैन बाकलीवाल पीपला वाले

को वैवाहिक वर्षगाठ की
हार्दिक शुभकामनायें

शुभेच्छु
एडवोकेट प्रतीक जैन बाकलीवाल
समस्त बाकलीवाल परिवार पीपला वाले
बाकलीवाल पेंट स्टोर, सांगानेर

प्रथम पुण्य स्मृति दिवस

19 फरवरी 2025

स्व. जितेश जैन बड़जात्या

(पुत्र राजेश सीमा बड़जात्या)

समस्त बड़जात्या परिवार

बापू नगर, जयपुर